भारत सरकार

विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1709

जिसका उत्तर 11 फरवरी, 2021 को दिया जाना है।

जीवाश्म ईंधन से गैर-जीवाश्म ईंधन की ओर ध्यान

1709. श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री चंद्र शेखर साहू:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विचार जीवाश्म ईंधन से गैर-जीवाश्म ईंधन तथा नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की ओर ध्यान देने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा वर्तमान में देश में जीवाश्म ईंधन तथा गैर-जीवाश्म ईंधन के हिस्से का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने वर्ष 2022 तक देश में गैर-जीवाश्म ईंधन के हिस्से में वृद्धि के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(ङ) क्या ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) देश में ऊर्जा दक्षता में सुधार करने के अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल रहा है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा बीईई की स्थापना के बाद अभी तक कितनी सफलता प्राप्त हुई है?

उत्तर

विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (श्री आर.के. सिंह)

(क) और (ख) : जी, हाँ। वर्तमान में संस्थापित उत्पादन क्षमता में गैर-जीवाश्म ईंधनों का हिस्सा लगभग 38.3 प्रतिशत है। सभी स्रोतों से संस्थापित उत्पादन क्षमता का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

(ग) और (घ) : भारत सरकार ने वर्ष 2021-22 के अंत तक, नवीकरणीय स्रोतों से 1,75,000 मेगावाट संस्थापित क्षमता का लक्ष्य रखा है जिसमें सौर ऊर्जा से 1,00,000 मेगावाट, पवन ऊर्जा से 60,000 मेगावाट, बायोमास से 10,000 मेगावाट और लघु जल विद्युत से 5,000 मेगावाट शामिल है। इसके साथ-साथ, 10,164.50 मेगावाट जल

विद्युत उत्पादन और 4,800 मेगावाट न्यूक्लियर विद्युत उत्पादन क्षमता वर्ष 2024-25 तक चालू किए जाने के लिए नियत है।

(ङ) और (च) : जी, हाँ। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) देश में ऊर्जा दक्षता में सुधार लाने में सफल रहा है।

भारत की ऊर्जा गहनता वित्तीय वर्ष 2012-13 में 65.6 मिलियन टन तेल समतुल्य (एमटीओई) प्रति करोड़ रुपये से घटकर वित्तीय वर्ष 2018-19 में 54.5 एमटीओई प्रति करोड़ रुपये हो गई है। ऊर्जा गहनता में कमी का एक प्रमुख कारण देश में विभिन्न ऊर्जा दक्षता नीतियों का क्रियान्वयन है।

वर्ष 2018-19 में किए गए तृतीय पक्षीय मूल्यांकन के अनुसार, यह अनुमान है कि विभिन्न ऊर्जा दक्षता स्कीमों/कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन से देश में निम्नलिखित उपलब्धियां हुई हैं:

(i) लगभग 89,122 करोड़ रुपये की कुल लागत बचत जिसमें 67,039 करोड़ रुपये मूल्य की 136.37 बिलियन यूनिट विद्युत ऊर्जा की बचत और 22,083 करोड़ रुपये मूल्य की 12.00 एमटीओई की ताप ऊर्जा बचत शामिल हैं।

(ii) देश की कुल प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति का 2.69 प्रतिशत अर्थात 23.73 एमटीओई की कुल ऊर्जा बचत।

(iii) कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन में समान वार्षिक कमी लगभग 151.74 मिलियन टन है।

****

अनुबंध

लोक सभा में दिनांक 11.02.2021 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1709 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

****

कुल संस्थापित उत्पादन क्षमता में गैर-जीवाश्म ईंधन की संस्थापित उत्पादन क्षमता का हिस्सा
(31.12.2020 की स्थिति के अनुसार)

श्रेणी	संस्थापित क्षमता (मेगावाट)	कुल संस्थापित क्षमता में हिस्सा (%)
कोयला	1,99,865	**53.3**
लिग्नाइट	6,260	**1.7**
गैस	24,957	**6.6**
डीजल	510	**0.1**
कुल (जीवाश्म ईंधन)	**2,31,591**	**61.7**
न्यूक्लियर	6,780	**1.8**
जल विद्युत	45,798	**12.2**
नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत	91,154	**24.3**
कुल (गैर-जीवाश्म ईंधन)	**1,43,732**	**38.3**
कुल संस्थापित क्षमता	**3,75,323**	**100.0**

****